

पत्र सूचना शाखा,
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

'पढ़े लखनऊ-बढ़े लखनऊ'

राज्यपाल को 'वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' का प्रमाण पत्र भेंट

राज्यपाल ने अभियान में सहयोग देने वाले प्रतिभागियों को 'विशेष सहयोग प्रमाण पत्र' से सम्मानित किया

माता-पिता एवं अभिभावक शुरु से ही अपने छोटे बच्चों में पढ़ने की आदत डालें -
राज्यपाल

लखनऊ : 15 दिसम्बर, 2019

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल को आज यहां राजभवन में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन के प्रतिनिधि डॉक्टर योगेश मोहन गुप्ता ने, 'पढ़े लखनऊ-बढ़े लखनऊ' कार्यक्रम के तहत 1 अक्टूबर, 2019 को एक साथ 2278 विद्यालयों के 9 लाख 59 हजार 27 विद्यार्थियों द्वारा पुस्तक पढ़ने का रिकॉर्ड स्थापित करने पर, वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स का प्रमाण पत्र भेंट किया। इस अवसर पर श्री गुप्ता ने लखनऊ के जिलाधिकारी श्री अभिषेक प्रकाश तथा लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति श्री एस0पी0 सिंह को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की

प्रति भेंट की। उल्लेखनीय है कि राज्यपाल महोदया की पहल पर ही एक साथ पुस्तक पढ़ने के इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

राज्यपाल ने 'पढ़े लखनऊ-बढ़े लखनऊ' अभियान के अन्तर्गत विशेष योगदान देने वाले अधिकारियों, शिक्षकों, संस्थाओं एवं विद्यार्थियों को 'विशेष सहयोग प्रमाण पत्र' प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में प्रमुख रूप से मुख्य विकास अधिकारी श्री मनीष बंसल, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डा० आलोक कुमार श्रीवास्तव, कार्यक्रम के को-आर्डिनेटर लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो० अनिल मिश्रा, जिला विद्यालय निरीक्षक डा० मुकेश कुमार सिंह, बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री अमर कान्त सिंह तथा जिला समन्वयक (बालिका शिक्षा) श्री विश्वजीत पाण्डेय शामिल हैं।

इसके अलावा राज्यपाल ने कालेजों एवं स्कूलों के प्राचार्यों एवं प्रधानाचार्यों के साथ-साथ बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने वाले एवं विशेष योगदान देने वाले बच्चों को भी 'विशेष सहयोग प्रमाण पत्र' देकर सम्मानित किया।

राज्यपाल ने अपने सम्बोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश एक बड़ा राज्य है और यहां की आबादी लगभग 23 करोड़ है। उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है कि लखनऊ के लोगों ने एक साथ पुस्तक पढ़कर विश्व रिकार्ड स्थापित किया है। इसका श्रेय उन सभी को जाता है जिन्होंने इसमें बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और इस रिकार्ड के सहभागी बने। अब यह प्रयास होना चाहिए कि प्रदेश के 10 करोड़ लोग एक साथ पुस्तक पढ़कर ऐसा विश्व रिकार्ड बनाये, जिसे तोड़ना किसी के लिए सम्भव न हो सके। उन्होंने कहा यह तभी सम्भव है जब हम टीम वर्क के साथ कार्य करें, क्योंकि टीम वर्क के बिना सफलता प्राप्त नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि इसके लिए अभी से तैयारी शुरू कर दी जाये।

उन्होंने कहा कि माता-पिता एवं अभिभावकों को शुरू से ही अपने छोटे बच्चों में पढ़ने की आदत डालने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने बच्चों से कहा कि वे केवल पुस्तकें पढ़ें ही नहीं, बल्कि उसे याद भी रखें कि उससे क्या प्रेरणा मिली। उन्होंने बच्चों से कहा कि वे पढ़ाई के साथ-साथ टी०वी० चैनलों पर आने वाले ज्ञानवर्द्धक कार्यक्रमों को भी निश्चित रूप से देखें, क्योंकि इससे उनके ज्ञान में वृद्धि ही होगी। उन्होंने कहा कि पुस्तकों के अध्ययन से हमें जो ज्ञान प्राप्त होता है, वह स्थायी होता है।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्री हेमन्त राव ने इस अभियान को सफल बनाने में सक्रिय एवं विशेष योगदान देने के लिए लखनऊ के पूर्व जिलाधिकारी श्री कौशल राज शर्मा एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति श्री एस0पी0 सिंह की प्रशंसा की।

ओ0पी0राय/राजभवन (93/8)





“बड़े तख्त-बड़े तख्त” अभियान में विशेष शल्योपकरण करने वाले डॉक्टरों, प्रत्याभूति एवं बच्चों के साथ सम्पर्क



उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनन्दीबेन पटेल तथा सम्पर्क दिवस के अवसर पर दिव्य भारत निर्माण ट्रस्ट अयोध्या एवं लखनऊ परिषद, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दिव्य योग समागम में प्रतिभाग करती हैं।